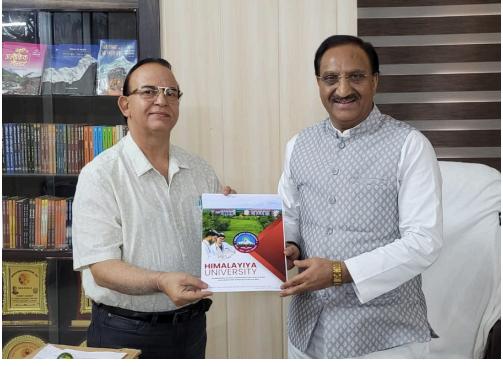


साई

# सूजन पटल

मासिक प्रतिवेदन

लेखन और सूजन के उन्नयन के लिए सदैव प्रतिबद्ध



Dedicated to my Father  
Late Shri Sain Das Talwar Ji

संयुक्त निदेशक डॉ कमलेश भारती ने किया 'साई सूजन पटल' के आठवें अंक का विमोचन



'Sai Sujan Patal' inaugurated by Litterateur Dr Savita Mohan

By OUR STAFF  
REPORTER

DEHRADUN (JOGIWALA), 10 August:

Former Director of Higher Education and litterateur Dr Savita Mohan officially inaugurated the 'Sain Sujan Patal' at RK Puram by cutting the ribbon. In her address as the Chief Guest Dr Savita Mohan emphasized that the environment plays an important role in writing and creation. In a healthy atmosphere, positive thoughts manifest themselves through writing. Dr KL Talwar, who was my student in Uttarkashi and retired from Karnaprayag PG College as Principal, has taken an innovative step by establishing this creative



platform. Young people interested in literature can benefit from this platform. Special guest Dr Janki Panwar, retired Principal from Kotdwara PG College mentioned that Dr

this creative platform, he has taken a positive step to promote writing.

Dr Talwar expressed gratitude to the guests and said that through this platform, young people would be provided with proper information on news writing, reporting, feature writing and presentation and keeping records. The meritorious students will also be awarded the Late Sain Das Talwar Scholarship.

On this occasion Akshat CEO of Inside Creative Media Private Limited and Director Neelam Talwar, along with staff members Jyoti, Akanksha, Aashray, Rajat, Shivam, Vimal, Anushka, Sneha, Akshay, Jitendra, and Hemant Huria were present.



प्रबक्ति सिंह धामी



उत्तराखण्ड माध्यमिक

देहरादून - 246001

फ़ोन : 0135-265643

फैक्स : 0135-2712827

फैक्स : 0135-2712828

फैक्स : 0135-2712833

फैक्स : 0135-2752344

फैक्स : 0135-2752144

यह अख्यन हर्ष का विषय है कि साई सूजन पटल, साई कुटीर, आठवें प्रृष्ठा, जीविता, देहरादून द्वारा अपनी माध्यमिक पत्रिका 'साई सूजन पटल' के छठे अंक का प्रकाशन किया जा रहा है। मुझे अवश्यक है कि उत्तराखण्ड के लेखक, कलाकारों, पर्यावरणीयों, शिक्षकों, काश्तकारों आदि के बारे में उल्लेख किये जाने के साथ ही देवभूमि उत्तराखण्ड के धार्मिक व पर्यटन स्थलों, विरासत, धरोहर एवं पर्यावरण क्षेत्रों की जानकारी की सीधारेश हों। मुझे आशा है कि उत्तराखण्ड में साई सूजन पटल द्वारा समय-समय पर किये जा रहे विषयों को एवं राज्य सरकार द्वारा चलाई जा सके विभिन्न भाषाओं की जानकारियों की समावेश ही होंगी, जो निःसंहित भाषी पाठकों के लिए अत्यन्त उपयोगी सिद्ध होंगी।

मेरी ओर से साई सूजन पटल, साई कुटीर, आठवें प्रृष्ठा, जीविता, देहरादून को अपनी माध्यमिक पत्रिका 'साई सूजन पटल' के छठे अंक के सफल प्रकाशन के लिए, सभी समाजित सम्पादक एवं सरकारी कार्यकारी हांगामों की हासिलकर्ता होंगी।

(प्रबक्ति सिंह धामी)



चार टापर को मिलेगी साई दास तलवाड़ स्मृति मेधावी छात्रवृत्ति

संघाद सम्बोधी जागरण • डॉ ईश्वरा: माध्यमिकालय में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले चार टापर को साई दास तलवाड़ स्मृति मेधावी छात्रवृत्ति मिलेगी। इस छात्रवृत्ति में 21 से 30 रुपये नलिके एवं मेडल वितरण किया जाएगा। यह एक द्विवार्षीय माध्यमिकालय में पूर्ण वर्ष पूर्ण एक्सीसिट प्रोग्राम हो द्वारा के एल तलवाड़ ने मूल की है।

डा. तलवाड़ डॉ ईश्वरा माध्यमिकालय से प्रदानीति पर चक्रारत माध्यमिकालय में प्राचार्यों के रूप में गांधी थे। वर्ष 2019 से 22 तक लगातार चार वर्ष तक टापर को चक्रारत में छात्रवृत्ति देने आ रहे हैं। इस वर्ष चार वर्ष तक उन्होने यह छात्रवृत्ति कार्यपालग पीजी कालेज में 11 टापर सीढ़ी दी थी। अब सेवानिवृत्ति के उत्तरान भी वह छात्रवृत्ति दी जाएगी। डॉ ईश्वरा माध्यमिकालय



डा. कैरेल तलवाड़ (बाएँ) का स्वागत करते मन्त्रियुक्त प्राचार्य डा. ईश्वरा भट्ट (बाएँ) » जगदा

कालेज के कुल चार विद्यार्थियों को यह छात्रवृत्ति दी जाएगी। डॉ ईश्वरा माध्यमिकालय

13 अगस्त 2024

# दैनिक बुलन्द वाणी

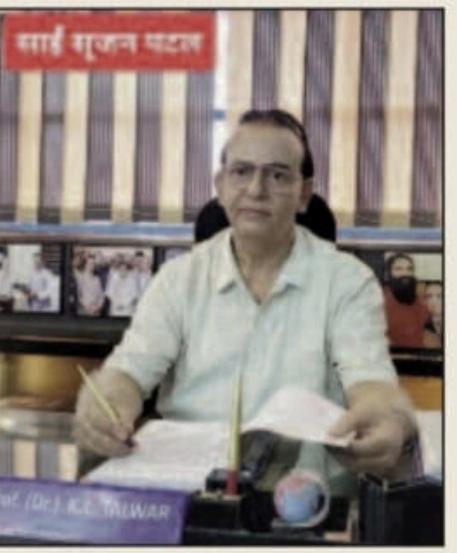
## उत्तराखण्ड के लोक-जीवन की समृद्ध परंपरा 'औखांण' से नई पीढ़ी को परिचित करायेगा 'साईं सृजन पटल'

**बुलन्द वाणी संजय राजपूत**

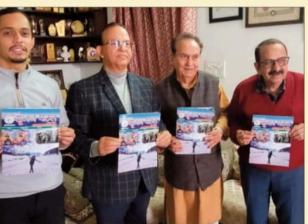
**देहरादून, जोगीवाला।**

साईं सृजन पटल के माध्यम से नई पीढ़ी को उत्तराखण्ड की समृद्ध परंपरा 'औखांण' से परिचित कराया जायेगा। साईं सृजन पटल के संयोजक डा.के.एल.तलवाड़ ने बताया कि वर्तमान में यद्यपि उत्तराखण्ड के पर्वतीय क्षेत्रों से शहरों की ओर पलायन तीव्रता से हुआ है

तथा 'औखांण' (लोक-कहावत) सृजन हासिये पर चला गया है तथापि ध्यान रखने योग्य है कि चाहें शहरी जीवन हो या ग्रामीण जीवन 'औखांण' के शाब्दिक अर्थ और भावार्थ को समझना तथा अनुभव और उदाहरणों के आधार पर इनका सृजन करना हर युग, क्षेत्र, समाज, संस्कृति व परंपरा के लिए सर्वकालिक प्रासंगिक है। डा.शिवानंद नौटियाल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कर्णप्रयाग चमोली के इतिहास विषय के शिक्षक डा.वेणीराम अन्थवाल ने 'साईं सृजन पटल' के पुस्तकालय को स्वलिखित



**पद्मश्री कवि लीलाधर जगूड़ी ने 'साईं सृजन पटल' पत्रिका के छठे अंक का किया विमोचन**



देहरादून (संजय राजपूत)। पद्मश्री कवि एवं संग्रहालय संस्थापक लीलाधर जगूड़ी ने अवसर पर 'साईं सृजन पटल' मासिक पत्रिका का विमोचन किया। 84 वर्षीय श्री जगूड़ी ने पत्रिका के छठे अंक के प्रकाशन के लिए संग्रहालय माडल को शम्भुकम्भेश देंहरादून कहा। वह पत्रिका नवाचारित लेखों के लिए अवक्षेप देंहरादून संजय राजपूत।

01-10-2024 **दैनिक बुलन्द वाणी**

**डॉ. देवेन्द्र भसीन ने किया साईं सृजन पटल के न्यूज लैटर का विमोचन**



**संजय राजपूत बुलन्द वाणी**

प्रतिभाओं के कार्यों को अल्पतं आकर्षक ढंग से संकलित किया गया है। इससे नवसृजनकार्ताओं को प्रोत्साहन और अन्य लोगों को प्रेरणा मिलेगी।

देहरादून। उत्तराखण्ड राज्य उच्च शिक्षा उन्नयन समिति उत्तराखण्ड शासन के उपायक्षम डा.देवेन्द्र भसीन ने सोमवार को दूष विश्वविद्यालय अपने कार्यालय से नई सृजन पटल न्यूज लैटर के द्वितीय अंक का विमोचन किया। डा.भसीन ने न्यूज लैटर के संपादक

में निरंतरता बतायी रहे। उत्तराखण्ड के

**साईं सृजन पटल के संयोजक प्रो.तलवाड़ ने विद्यार्थियों को सिखाये समय प्रबंधन के गुरु**



**जिही कलम**

देहरादून। साईं सृजन पटल के संयोजक संस्थानिकृत प्राचार्य प्रो.के.एल.तलवाड़ ने गुरुवार को उत्तराखण्डी स्थित अमन मैदान की क्लास (एवीरी) के विद्यार्थियों के समय प्रबंधन पर ऑनलाइन व्याख्या दिया। एवीरी के उद्घाटन सत्र राह पर बोलते हुए कहा कि जहाँ चाह है, वहाँ राह है। यह एक व्यक्ति के दृढ़संकल्प और लगन को दर्शाता है। जो उसे किसी भी लक्ष्य की प्राप्ति में मदद करता है, मले के राह में कितनी भी कठिनाईयां क्यों न हों।

विद्यार्थियों के जीवन में समय प्रबंधन का अत्यधिक महत्व है। विद्यार्थियों को यह समझना होगा कि समय जीवन का सबसे महत्वपूर्ण संसाधन है और इसका सही उपयोग करना ही सफलता की कुंजी है। विद्यार्थी अपने करिअर को स्पष्ट निर्धारित करके, महत्वपूर्ण कार्यों के प्राथमिकता देकर, शेष्यूल बनाकर, टाल-मटोल से बचकर, व्याध भट्काने वाली चीजों से दूर रहकर, प्रभावी नोट लेने का अन्यास करके और स्वस्थ जीवन बीतानी अपनाकर समय प्रबंधन की कला में निपुण हो सकते हैं। उल्लेखनीय है कि उत्तराखण्डी नगर में अमन तलवाड़ समय-समय पर अपने नोटिवेशनल क्लासेज के माध्यम से विनगत पांच वर्षों से विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते आ रहे हैं। कोरोनाकाल में भी उन्होंने तीन महीने तक 40 विद्यार्थियों के मौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित की फी कोरिंग दी थी।





# सृजन, संस्कृति और चेतना का सेतु साईं सृजन पटल पत्रिका का नवां अंक एक नई उड़ान

उत्तराखण्ड- डिजिटल दौर में जब साहित्य, संस्कृति और मूल्यों की चर्चा अक्सर हाशिए पर चली जाती है, ऐसे समय में 'साईं सृजन पटल' जैसी मासिक पत्रिका न केवल इन विचारधाराओं को जीवंत बनाए हुए है, बल्कि समाज को सकारात्मक दिशा देने में भी अहम भूमिका निभा रही है। बुधवार को केंद्रीय पेट्रोरसायन अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (सीपेट) देहरादून परिसर में जब इस पत्रिका के नवें अंक का भव्य विमोचन संपन्न हुआ, तो वह अवसर केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि साहित्यिक-सांस्कृतिक चेतना की पनः पतिष्ठा का पतीक बन गया।



विमोचन अवसर पर 'साईं सृजन पटल' को एक साहित्यिक पत्रिका से अधिक, एक "वृहद सांस्कृतिक आंदोलन" की संज्ञा दी। उनका यह कथन केवल प्रतीकात्मक नहीं है, बल्कि प्रतीकात्मक नहीं है,

प्रताप सिंह और राकेश कुमार पटेल जैसे शिक्षकों और कर्मचारियों की उपस्थिति यह दशाती है कि साहित्य और संस्कृति केवल कलमबद्ध शब्द नहीं, बल्कि जीवन के हर क्षेत्र से जुड़े जो़ले में जागरूक होते हैं।



**डोईवाला में अमर उजाला के वरिष्ठ पत्रकार श्री नवल किशोर यादव जी को 'साईं सृजन पटल' का नवीनतम अंक भेंट किया गया।**

## समाज, संस्कृति और पर्यावरण की झलक: 'साईं सृजन पटल' ई-न्यूज लैटर का विमोचन

डॉइवाला/देहरादून (ईनिक हाउस): साईं कूटीर में आयोजित विमोचन कार्यक्रम में साईं सृजन पटल ई-न्यूज लैटर के तीसरे अंक का विमोचन दून विकासनालय से सेवानिवृत्त विशेषज्ञों द्वारा किया गया। इस ई-न्यूज लैटर ने समाज की विभिन्न पहलुओं, पर्यावरण की संस्कृति, समाज सेवा और पर्यावरण जागरूकता के मुद्दों को समेतकरण एक समृद्ध संग्रह प्रस्तुत किया है। विमोचन के द्वारान डॉ. जोशी ने इस अंक में शामिल विभिन्न सांस्कृतिक पहलुओं और सांस्कृतिक विवरणों की समहान करके दुए इसे समाज के दिए प्रेरणा का स्रोत कराया।

संपादक डॉ. के. ए. तल्वार ने इस अवसर पर बताया कि यह अंक नवांत्रि, दशहरा के दिए प्रेरणा का स्रोत कराया।

एक अनूठा प्रयास है। इस अंक में गढ़मोज दिवस के लिए शानीपेखरी के उत्तरा स्टेट एवं रियम, तथा पिलाल से प्रति जामरुकता को लेकर किए गए हैं।

इस अवसर पर जोशी ने कहा कि यह अंक केवल संकाचार का संकाचार है, बल्कि एक ऐसी मैला है जो हमारे सांस्कृतिक मूल्यों पर्यावरण और समाज के जरूरतों के लिए एक स्वस्त माध्यम बनाता है।

साईं सृजन पटल का यह अंक न केवल बन सजावटी डस्टशिल्प के लिए मंजु आर. सिंह की प्रदर्शनी इस अंक को खासियत है।



पटल का यह अंक न केवल सांस्कृतिक और सांस्कृतिक संदर्भों को जन-जन तक पहुंचाने का

# पर्यावरणविद डा.हर्षवन्ती बिष्ट ने किया 'साईं सूजन पटल' पत्रिका के सातवें अंक का विमोचन

बुलन्द वाणी संजय राजपूत

देहरादून। अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित पर्वतारोही व सुप्रसिद्ध पर्यावरणविद डा.हर्षवन्ती बिष्ट ने अपने आवास बसंत विहार में 'साईं सूजन पटल' के सातवें अंक का विमोचन किया। पत्रिका के नियमित प्रकाशन पर उन्होंने संपादक मण्डल को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि इस पत्रिका के माध्यम से उत्तराखण्ड की



महत्व दिया गया है। इसके अलावा समसामयिक विषयों के साथ ऋतुओं से जुड़ी सामग्री का भी समावेश करने का प्रयास किया गया है।

उप संपादक अंकित तिवारी ने कहा कि उत्तराखण्ड में सफलता की कहानी लिख कर अपनी पहचान बनाने वालों को भी पाठकों के समुख लाया जा रहा है, जिससे अन्य लोगों को भी प्रेरणा मिले। अपने प्रकाशन के मान ग्रन्त प्राप्त में वी पनिका

## स्पष्ट एक्सप्रेस

स्पष्ट एक्सप्रेस एक दैनिक विदेशी और अंतर्राष्ट्रीय विषयों की विशेष विवरणों का फोकस करता है। प्रत्येक अंक में लगभग 15 लाइन की विवरणों का फोकस करता है। अंक में लगभग 15 लाइन की विवरणों का फोकस करता है।

## पूर्व उच्च शिक्षा निदेशक डॉ. सविता मोहन ने किया जोगीवाला में "साईं सूजन पटल" का उद्घाटन



**स्पष्ट एक्सप्रेस।**

देहरादून, 10 अगस्त 2024: पूर्व उच्च शिक्षा निदेशक व साहित्यकार डॉ. सविता मोहन ने आरकेपुरम में "साईं सूजन पटल" का रिबन काटकर विधिवत उद्घाटन किया।

अपने संबोधन में बतौर मुख्य अतिथि डॉ. सविता मोहन ने कहा कि लेखन और सूजन में वातावरण का अत्यंत

पंवर ने कहा कि डॉ. तलवाड़ उत्तरकाशी में मेरे सहपाठी रहे हैं। सेवानिवृत्ति के चार माह बाद ही सूजन पटल की स्थापना कर उन्होंने लेखन कार्य को बढ़ावा देने की सकारात्मक पहल की है।

डॉ. तलवाड़ ने अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस सूजन पटल के माध्यम से युवाओं को समाचार

बुलन्द वाणी संजय राजपूत

देहरादून। दून विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुरेखा डंगवाल ने आज 'साईं सूजन पटल' पत्रिका का विमोचन किया। प्रो. सुरेखा डंगवाल ने इस अवसर पर कहा कि "साहित्य और सूजनशीलता समाज के विचारों को दिशा देने का कार्य करती है। 'साईं सूजन पटल' पत्रिका न

सोच को विस्तार देती।" इस पत्रिका के माध्यम से सामाजिक और सूक्ष्म अवधियों के बीच अपनी अलग पहचान बनाएगी। इस अवसर पर, पत्रिका के संपादक प्रो. (डॉ.) कृष्ण ए. तलवाड़ ने बताया कि सहयोगी वर्कर्ष में शुरू हुई यह वात्रा आज एक पूरा हुई यह पत्रिका न केवल लेखन कला को भेज प्रसन्न करती है, बल्कि उत्तराखण्ड की सास्कृतिक धरोहर, परंपराओं, पर्यावरण और धार्मिक पर्यावरण को भी प्रमुखता से प्रस्तुत करती है। विश्वविद्यालय के दौरान पत्रिका के संपादक मण्डल के जीवन में विश्वविद्यालय के संपादक मण्डल